**बेलग्रेड में आयोजित आईपीयू की 141 वीं बैठक में जलवायु परिवर्तन संबंधी आपात मद**

**------**

**13 से 17 अक्टूबर 2019**

**------**

आज हमारा विश्व प्रकृति की अनेक गंभीर समस्याओं का सामना कर रहा है। इन सभी समस्याओं का समाधान अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर निर्भर करता है | चूंकि ये समस्याएं मूल रूप से वैश्विक प्रकृति की हैं अत: ऐसी समस्याओं का समाधान वैश्विक स्तर पर सामूहिक प्रयत्न से ही हो सकता है जो विशेष रुप से एक चुनौतीपूर्ण कार्य है | इन समस्याओं में सबसे प्रमुख समस्या मानव द्वारा पैदा की गई भूमंडलीय ताप वृद्धि की समस्या है जिसे सामान्य तौर पर जलवायु परिवर्तन के नाम से भी जाना जाता है | मेरा यह मानना है कि यह महत्वपूर्ण मंच इस विषय पर चर्चा करने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त स्थान है तथापि, इस चर्चा को सदस्य देशों की संसद में और सार्वजनिक मंच पर भी जारी रखा जाना चाहिए | मुझे आशा है कि हम सामूहिक रूप से कुछ स्थायी समाधान तलाश सकते हैं जिनसे सरकारों और जनता के लिए व्यावहारिक कार्यक्रमों को मूर्त रूप देने की संभावना में और वृद्धि होगी |

जलवायु परिवर्तन का समाधान तलाशने के लिए यह अत्यावश्यक है कि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में पर्याप्त मात्रा में और तत्काल कमी की जाए ताकि तापवृद्धि को नियंत्रित किया जा सके | जलवायु परिवर्तन संबंधी अंतर-सरकारी पैनल की गत वर्षों की और पिछले एक वर्ष में जारी की गई विशेष रिपोर्टों में इस बात पर बल दिया गया है कि यदि हमें चार साल पहले पेरिस में हुए यूएनएफसीसी समझौते में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करना है, तो इस संबंध में तत्काल कार्यवाही करनी होगी|

इसके साथ ही, यह सुनिश्चित करने में सावधानी बरतनी चाहिए कि वैश्विक तापवृद्धि के प्रभाव, जो इस संबंध में हमारे द्वारा सर्वोत्तम उपाय किए जाने के बावजूद गंभीर, व्यापक और विध्वंसकारी हो सकते हैं, के प्रति स्वयं को अनुकूल बनाने के कार्य पर उचित ध्यान दिया जाए। वैश्विक स्तर पर कई कमजोर समुदाय, क्षेत्र और निवासी निरंतर जारी तापवृद्धि के दुष्परिणामों का सामना कर रहे हैं और इन परिणमों के भविष्य में और गंभीर होने की संभावना है | आगामी वर्षों में, सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य करते हुए आपदा सुरक्षा और आपदा के जोखिम को कम करना हमारा सबसे प्रमुख प्रयास होना चाहिए।

हम सभी इसके समाधान में अपना योगदान दे सकते हैं, तथापि, इसके लिए हमें जलवायु अनुकूल जीवन शैली और सतत् उपभोग तथा उत्पादन को पूरी तरह अपनाना होगा। हमें जनता को इस कार्य में सक्रिय रूप से सहभागी बनाना होगा। सरकारी और गैर-सरकारी पक्षों को शामिल कर बड़े पैमाने पर किए जा रहे उपायों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। यह एक बहुत बड़ा कार्य है और इसके लिए हम सभी के सामूहिक संकल्प की आवश्यकता है।

भारत एक विकासशील देश है और विगत में तथा वर्तमान में भी, भूमंडलीय तापवृद्धि में भारत का योगदान वस्तुतः हमारी जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के आकार की दृष्टि से बहुत कम है। हम इस समस्या के लिए जिम्मेदार नहीं हैं, फिर भी हम मानते हैं कि इसका स्थायी समाधान संभव है और हम इस कार्य में अन्य देशों के साथ हैं। नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ाने से लेकर अन्तर्राष्ट्रीय सौर ऊर्जा गठबंधन के विचार और स्थापना तक तथा आपदा रोधी अवसंरचना हेतु वैश्विक गठबंधन का सदस्य बन कर हम इस वैश्विक प्रयास में योगदान दे रहे हैं। हमें अपने प्राचीन ज्ञान पर गर्व है जो हमें सिखाता है कि पूरा विश्व एक परिवार (वसुधैव कुटुम्बकम्) है।

हालांकि इस वर्ष सी ओ पी – 25 के मेजबान देश, चिली द्वारा इस विषय पर पहले से ही एक संकल्प का प्रस्ताव रखा गया है, तथापि इस प्रारूप संकल्प को प्रस्तुत करने का हमारा उद्देश्य संसाधन जुटाने और प्रौद्योगिकी की व्यवस्था किए जाने की ओर ध्यान दिलाना है क्योंकि जलवायु परिवर्तन का मुक़ाबला करने के हमारे वैश्विक प्रयासों के लिए इनकी बहुत आवश्यकता है। हमने कई समझौते देखे हैं जिनके परिणाम विश्व की आशाओं के अनुरूप नहीं आए हैं। जैसा कि पहले भी उल्लेख किया गया है, भारत एक विकासशील देश के रूप में देशवासियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं के अनुरूप अपनी ओर से इस दिशा में प्रयास कर रहा है। यदि वे देश, जिन्होने सद्भाव के कारण नहीं अपितु अपने ऐतिहासिक दायित्वों को स्वीकार करते हुए संसाधन और प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराने का वचन दिया था, ऐसा करने के इच्छुक नहीं हैं तो ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी जिसे संभालना कठिन होगा। हम इस विशिष्ट सभा का ध्यान इसी आपात स्थिति की ओर दिलाना चाहते हैं।

मैं पूरी विनम्रता से इस प्रस्ताव को आपके विचार हेतु प्रस्तुत कर रहा हूं और आपसे इसका समर्थन करने का अनुरोध करता हूं। हमारी सरकारों और हमारी जनता के लिए ऐसा प्रस्ताव रखे जाने से यह सुनिश्चित होगा कि इसमें शामिल मुद्दों पर समुचित ध्यान दिया जाएगा। हम अपनी धरती को और विनाश से बचाने के लिए कार्य करने की आवश्यकता के बारे में स्पष्ट संदेश दे सकेंगे। हमारे विचार से यह इस संगठन द्वारा मानवता की महान सेवा होगी, इसलिए, मैं सभी सदस्य देशों से अनुरोध करता हूं कि जलवायु परिवर्तन के संबंध में हमारे द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे प्रस्ताव पर एक आपात मद के रूप में विचार करें और इसे स्वीकृति प्रदान करें।

---